727 706 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

सत्यमेव जयते
भारत

१000रु. Rs 1000

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(4)

बिक्रीत वर्णित भूमि का मूल्य मार्गदर्शिका पंजी के अनुसार निर्धारित न्यूनतम मूल्य से कम नहीं है।
6-7-11

[illegible] 1908 की धारा ...46 (1) Pra C... के अधीन। [illegible] 1899 की अनुसूची I या 1 क संख्या 23 I A with the Permission by L.R.D.C. Simdega vide Case NO. 407/2010-11 order dated 18.5.11 [illegible]

06-7-11 06/07/11

एडवर्ड खलखो 6.7.2011

(1) लेख्यकारी :- श्री एडवर्ड खालखो पिता स्व0 जोहन खालखो जाति उरांव पेशा खेती बारी निवास गांव खिजरी पुरनापानी थाना सिमडेगा जिला सिमडेगा ---------- विक्रेता।

शपथ-पत्र संख्या -----481------------/ 2011

(2) लेख्यधारिणी :- श्रीमती प्रतिमा लकड़ा पति श्री निकोदिम लकड़ा जाति उरांव पेशा गृहिणी वो नौकरी निवास गांव पिथरा थाना सिमडेगा जिला सिमडेगा - भारतीय नागरिक --- क्रेतिका।

शपथ-पत्र संख्या -----482--------------/ 2011

पहचान - सुनील खलखो
पिता - सुलेमान खलखो
ग्राम - खिजरी पुरनापानी थाना
व जिला सिमडेगा
6/7/11

263/11

000775/11

1508 No 257 dt 24-6

कार्यालय जिला कोषागार पदाधिकारी
24 JUN 2011
24/6/11
सिमडेगा

...एडवर्ड खलखो
...स्व. मोहन खलखो
ग्रा. खिजरी प्रखण्ड जिला सिमडेगा
निम्नलिखित मूल्यवर्ग स्टो...
वाले ...कुल(नं.)...
रुपया 4,300/-
24/6/11
कोषागार सिमडेगा

1000 x 4 = 4000/-
100 x 3 = 300/-
कुल - 4300/-

एडवर्ड खलखो
6-7-2011

06.7.2011 ... दिनांक
...के सदर निबन्धन कार्यालय
...में लेनदेन ... या
का उनके पुकार जो सन् ...
... ...
... के जिला सदर
निबन्धक द्वारा ...कृत है।
श्री / श्रीमती एडवर्ड खलखो
पिता / पति श्री स्व० मोहन खलखो
ग्राम ... खिजरी ... थाना ... सिमडेगा
पुरनापानी

06/07/11

06-7-11

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(3) लेख्य प्रकार :- विक्रय-पत्र केवाला बैला कलामी पुत्र-पुत्रादिक हमेशा के लिए ।

(4) मूल्य :- मोवलिग एक लाख साढ़े सात हजार रूपये अंके 1,07,500/- रूपये जिसका आधा तिरपन हजार सात सौ पचास अंके 53,750/- रूपये होता है ।

(5) सम्पति :- एराजियात 0.10 एकड़ (दस डिसमिल) जमीन हकियत रैयती मय दखाली खातियानी वाके मौजा खिजरी पुरनापानी थाना नं0 105 थाना सिमडेगा सदर रजिष्ट्री ऑफिस वो जिला सिमडेगा के अन्दर खाता नं0 72 (बहत्तर) प्लाट नं0 294 (दो सौ चौरानब्बे) रकबा 0.10 एकड़ (दस डिसमिल) जमीन जिसकी चौहद्दी :-

उत्तर :- टांड़ इसी प्लाट का अंश,

दक्षिण :- टांड़ इसी प्लाट का अंश,

पूरब :- कच्चा रास्ता 5 फीट चौड़ा,

पश्चिम :- टांड़ अबरसियुस खालखो का हिस्सा ।

कुल एक खाता का एक प्लाट का टुकड़ा रकबा 0.10 एकड़ (दस डि0 सिर्फ जिसका मालगुजारी सालाने 05 पैसे अलावे शेष ।वर्णित विक्रीत

2342/2011
6-7-2011

गवाह- जुलियन मिंज पिता स्व- जोन मिंज ग्राम- खिजरी पुरनापानी थाना- सिमडेगा। जिला- सिमडेगा
ता- 6.7.011

1000Rs.

जमीन आवासीय टांड़ है जिस पर किसी प्रकार का कोईनिर्माण नहीं हुआ है ।

{1} चूंकि इस समय मुझे मकान बनाने वास्ते रूपये की अति आवश्यकता है इसलिए मैंने वर्णित जमीन का कुल मूल्य मो0 1,07,500/- रूपये नगद भुगतान पाकर उपर्युक्त लेख्यधारिणी के पास रैयती बेचा और अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थ्यता में रह कर यह विक्रय-पत्र केवाला दस्तावेज लिख दिया कि प्रमाण रहे ।

{2} चूंकि हम दोनों पक्ष आदिवासी समुदाय के रैयत हैं अतः जमीन बिक्री हेतु आवश्यक परमीशन का आवेदन सी0एन0टी0 एक्ट अन्दर दफा 46 का मुकदमा वाद संख्या 407/2010-11 श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार मोकाम सिमडेगा के न्यायालय में किया जिसकी स्वाकृत्यादेश दिनांक 18-5-11 को हुई और मेमो नं0 569{11} रेव0 दिनांक 28-5-2011 के अनुसार मुझे तथा जिला सब रजिष्ट्रार, सिमडेगा को प्रतिलिपि भेजी गई ।

{3} मैं, प्रतिज्ञा करता हूँ कि वर्णित विक्रीत जमीन मेरी पुस्तैनी खातियानी है जो दीवा उरांव, लुकस उरांव वगैरह के नाम से

1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

खतियान में नाम दर्ज है लुकस उरांव मेरे दादा थे वो वर्णित जमीन उनके हिस्से की थी उनके मरने के बाद मेरे पिता तथा पिता के मरने के बाद वर्णित जमीन हमें उत्तराधिकारी के तौर पर प्राप्त हुआ और आपसी जबानी भैयादी बंटवारे में प्राप्त मेरे हिस्से की है जिस पर मेरा निर्विवाद दखल वो कब्जा है जमीन पर किसी प्रकार का झगड़ा झंझट या भार नहीं है अब से उस पर सारा हक वो दखल कब्जा लेख्यधारिणी को हस्तान्तरित कर दिया अब से उस पर मेरा किसी प्रकार का दखल कब्जा वो हक अधिकार नहीं रहा न रहेगा और न भविष्य में मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का ।

(4) चाहिए कि लेख्यधारिणी वर्णित जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर वो रह कर मकान सहन आदि बनावें वो जैसा मन चाहें अपने उपयोग में लावें वजरिये झारखण्ड सरकार के जमींदारी सिरिस्ते अंचल कार्यालय सिमडेगा से तारीख लेख्य से दाखिल खारीज करा कर मालगुजारी की रसीद खास नाम से हासिल करें ।

1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रू. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

खतियान में नाप दर्ज है लुकस उरांव मेरे दादा थे वो वर्णित जमीन उनके हिस्से की थी उनके मरने के बाद मेरे पिता तथा पिता के मरने के बाद वर्णित जमीन हमें उत्तराधिकारी के तौर पर प्राप्त हुआ और आपसी जबानी भैयादी बंटवारे में प्राप्त मेरे हिस्से की है जिस पर मेरा निर्विवाद दखल वो कब्जा है जमीन पर किसी प्रकार का झगड़ा झंझट या भार नहीं है अब से उस पर सारा हक वो दखल कब्जा लेख्यधारिणी को हस्तान्तरित कर दिया अब से उस पर मेरा किसी प्रकार का दखल कब्जा वो हक अधिकार नहीं रहा न रहेगा और न भविष्य में मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का ।

६/२०४९ ६-७-२०११

§4§ चाहिए कि लेख्यधारिणी वर्णित जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर वो रह कर मकान सहन आदि बनावें वो जैसा मन चाहें अपने उपयोग में लावें वजरिये झारखण्ड सरकार के जमींदारी सिरिस्ते अंचल कार्यालय सिमडेगा से तारीख लेख्य से दाखिल खारीज करा कर मालगुजारी की रसीद खास नाम से हासिल करें ।

100 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

लेख्यकारी के कहे अनुसार इस विक्रय-पत्र केवाला दस्तावेज का प्रारूप तैयार कर दोनों पक्षों को उनके गवाहों के सामने पढ़ कर सुना वो समझा दिया जिसे स्वीकार किये ।

एडवर्ड खलखो
6-7-2011

प्रारूप कर्त्ता,

Rajendra Sahu
Adv

तारीख -06/07/11

मैं, लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि वर्णित विक्रीत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही - एडवर्ड खलखो
6-7-2011

प्रमाणित किया जाता है कि एडवर्ड खलखो का बायाँ हाथ का पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे सामने लिया गया है।

राजेन्द्र साहू
अधिवक्ता
06/07/11

मैं, लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व धारित वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग सीमा के अन्तर्गत नहीं आता है।

सही - Pratima Lakra
6/07/2011

6-7-2011

प्रमाणित किया जाता है कि प्रतिमा लकड़ा के बायें हाथ की पांचों अंगुलियों की छाप मेरे सामने ली गई है।

राजेश्वर साहू
अधिवक्ता
06/07/11

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रूपये ONE HUNDRED RUPEES

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के कुल 7 पृष्टों में कुल 562 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्शा सहित है ।

टंकक -

ह0/-

(नारायण दास)

कचहरी परिसर, सिमडेगा ।